PAGE No
DATE : / /201

08/07/19

पाठ-3

संसार-सागर के अनाम नायक

शब्द	अर्थ
शून्य	कुछ भी नहीं (ज़ीरो)
उत्सुकता	जिज्ञासा
मरुभूमि	रेगिस्तान
कंठस्थ	जबानी याद किया हुआ
योगदान	सहयोग करना, हाथ बँटाना
कौशल	निपुणता, कार्यदक्षता
अभ्यस्त	आदत हो जाना
सरोपा	सिर से पैर तक के वस्त्राभूषण
बावड़ी	बड़ा तालाब जिस तक पहुँचने के लिए सीढ़ियाँ बनी हों
वास्तुकार	भवन का प्रारूप तैयार करनेवाला व्यक्ति (आर्किटेक्ट)
जजमान	धार्मिक अनुष्ठान करनेवाला व्यक्ति
स्वाभिमान	स्वयं की प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान
विशिष्ट	अनूठापन, असाधारण
विवाद	झगड़ा, बहस
अनाम	जिसको कोई जानता न हो, बिना नाम का
गुदना	शरीर पर लिखवाना, टैटू
पाँत	पंक्ति, कतार, पंगत
पारिश्रमिक	मजदूरी, मेहनताना (सैलरी)

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

PAGE No
DATE: / /201

बात की

प्रश्न-1 पाठ में किन नामों की "गई है ? वे अनाम क्यों हो गए?
उत्तर= पाठ में गजधर, जलसूँघा, बुलई, अगरिया, रामनामी, माली- परिहार, मिर्धा, सोनकर, सिरभाव आदि नामों की बात की गई है। वे अनाम इसलिए हो गए क्योंकि आज की आधुनिक पीढ़ी यह जानने को बिल्कुल इच्छुक नहीं है कि समाज को नव जीवन प्रदान करने वाले तथा हजारों-लाखों तालाबों का निर्माण करने वाले ये लोग आखिर कौन थे और कहाँ गए ?

प्रश्न-2 सरोपा भेंट करने के अतिरिक्त गजधर को पारिश्रमिक के अलावा और क्या मिलता था ?
उत्तर= सरोपा भेंट करने के अतिरिक्त गजधर को पारिश्रमिक के अलावा चाँदी और कभी-कभी सोने के बटन भी भेंट किए जाते थे तथा जमीन भी उनके नाम की जाती थी।

प्रश्न-3 जलसूँघा कौन थे ?
उत्तर= जलसूँघा यानी भूजल को 'सूँघकर' बतानेवाले लोग भी सिरभाव जैसे ही होते थे पर वे भी जल की तरंगों के संकेत को आम या जामुन की लकड़ी की सहायता से पकड़कर पानी का पता बताते थे।

प्रश्न-4 रामनामी लोगों को बंजारा क्यों मान लिया गया?
उत्तर= रामनामी लोगों को बंजारा इसलिए मान लिया गया था क्योंकि रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ जिलों में फैले इस संप्रदाय के लोग छत्तीसगढ़ क्षेत्र में घूम-घूमकर तालाब खोदते रहे हैं।

प्रश्न-5 आधुनिक युग में जलसंरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता क्यों है ?
उत्तर= आधुनिक युग मे जलसंरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि जिस प्रकार हम सब पानी को बर्बाद कर रहे हैं, उस प्रकार से पृथ्वी से हमारे उपयोग का पानी खत्म हो जाएगा। हम पानी बचाने के लिए कई तरीके इस्तेमाल करते हैं, जैसे- जलसंरक्षण और संवर्धन के तरीके अपनाते हैं।

PAGE No
DATE: / /201

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न-1 कैसे कह सकते हैं कि गजधर सिर्फ तालाब बनानेवाले ही न थे, वे वास्तुकार भी थे ?
उत्तर= गजधर सिर्फ तालाब बनानेवाले ही न थे, वे वास्तुकार भी थे, क्योंकि चाहे गाँव-समाज के नवनिर्माण की बात हो या नगरसमाज की उसके रख-रखाव की जिम्मेदारी गजधर निभाते थे। नगर नियोजन से लेकर छोटे निर्माण के काम गजधर के कंधों पर टिके थे। वे योजना बनाते थे, कुल काम की लागत निकालते थे, काम में लगने वाली सारी सामग्री जुटाते थे।

प्रश्न-2 तालाब की जगह का चुनाव करते हुए 'बुलई को क्यों बुलाया जाता था ?
उत्तर= तालाब की जगह का चुनाव करते हुए बुलई को

इसलिए बुलाया जाता था क्योंकि उन्हें गाँव की पूरी-पूरी जानकारी रहती थी। कहाँ कैसी जमीन है, किसकी है, पहले कहाँ-कहाँ तालाब, बावड़ी बन चुके हैं, कहाँ और बन सकते हैं। ऐसी सब जानकारियाँ कुम्ई को कंठस्थ रहती थी, साथ-ही-साथ उनके पास इसका बारीक हिसाब-किताब लिखा हुआ भी मिलता था।

प्रश्न-3 खडीन किसे कहते हैं? ये कहाँ बनाए जाते थे?

उत्तर= मरुभूमि का कोई ऐसा बड़ा टुकड़ा जहाँ पानी बहकर आता हो, वहाँ दो या तीन तरफ से मेड़बंदी कर पानी रोककर विशिष्ट ढंग से तैयार बाँधनुमा खेत को 'खडीन' कहा जाता है। खडीन खेत बाद में हैं, पहले तो तालाब ही हैं। मरुभूमि में सैंकड़ो मन अनाज इन्हीं खडीनों में पैदा किया जाता रहा है। आज भी जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र में सैंकड़ों खडीन खड़ी नजर आ जाती हैं।

प्रश्न-4 रामनामी संप्रदाय के लोगों के विषय में क्या जानकारी उपलब्ध है?

उत्तर= रामनामी संप्रदाय के लोग अपने पूरे शरीर पर राम-नाम का गुदना गुदवाते थे और राम-नाम की चादर ओढ़ते थे। ये तालाबों के अच्छे जानकार थे और मिट्टी के काम को राम का ही काम समझते थे। रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ ज़िलों में फैले इस संप्रदाय के लोग छत्तीसगढ़ क्षेत्र में घूम-घूमकर तालाब खोदते रहे हैं, इसलिए इन्हें बंजारा भी माना जाता है। हिन्दू होते हुए भी मृत्यु के बाद इनके शरीर को अग्नि नहीं दी जाती थी बल्कि मिट्टी में दफनाया जाता था क्योंकि इनके लिए मिट्टी से बड़ा और कुछ नहीं था।

प्रश्न-5 शीघ्र ही हम पुराने जमाने के खोदे गए तालाबों और बावड़ियों पर ही निर्भर होने वाले हैं? कैसे?

उत्तर= यह सत्य है कि शीघ्र ही हम पुराने ज़माने के खोदे गए तालाबों और बावड़ियों पर ही निर्भर होने वाले हैं, क्योंकि आज हम जिस प्रकार स्वच्छ जल का अनावश्यक दोहन कर रहे हैं, उससे यह बात एकदम स्पष्ट है कि बहुत जल्द ही हमारे साफ़ जल के स्रोत ख़त्म होने वाले हैं, जिससे तालाबों आदि पर हम पूरी तरह निर्भर हो जाएँगे।

आशय-

प्रश्न-6 सैंकड़ों, हज़ारों तालाब शून्य में से प्रकट नहीं हुए हैं

उत्तर= सैंकड़ों, हज़ारों तालाब शून्य में से प्रकट नहीं हुए हैं बल्कि उन्हें बनाने में गजधरों सहित अन्य जातियों ने अपना बहुमूल्य योगदान इस समाज को दिया है, जिसके लिए हमें इनका आभार प्रकट करना चाहिए, परन्तु आभार प्रकट करना तो दूर हम इनके बारे में जानना भी नहीं चाहते।

प्रश्न-7 गजधर तो समाज की गहराई नाप ले - उसे ऐसा दर्जा दिया गया था

उत्तर= गजधर सिर्फ तालाब और नगर निर्माण ही नहीं बल्कि समाज की भी गहराई नापने में दक्ष थे। वे अपने नगर-समाज की हर छोटी-बड़ी जानकारी रखते थे, उनके पास पीढ़ियों का अनुभव था। उन्होंने

अनेकानेक दौर देखे थे, जिससे समाज को गहराई तक समझ लेने की क्षमता उनमें उत्पन्न हो गई।

Ashish
25/07/19

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera